[This question paper contains 4 printed pages.]

1494 *Your Roll No. .....*

B.A. (Hons.) / II **D**

PHILOSOPHY – Paper-IV (a)

(Social and Political Philosophy)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Answer any **Five** *questions in all, selecting any* **two** *from Section* **A,** *and any* **three** *from Section* **B.** **All** *questions carry equal marks.*

खण्ड **'अ'** *से कोई* **दो** *प्रश्न तथा खण्ड* **'ब'** *से कोई* **तीन** *प्रश्न चुनते हुए किन्हीं* **पाँच** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* **सभी** *प्रश्नों के अंक समान हैं।*

P.T.O.

SECTION A
(खण्ड अ)

1. "For us the primary subject of Justice is the basic structure of society, or more exactly, the way in which the major social institutions distribute fundamental rights and duties and determine the division of advantages from social co-operation." Explain Rawls conception of Justice as fairness in the context of the above quote.

   "हमारे लिए न्याय का प्राथमिक विषय समाज का बुनियादी ढाँचा है, या, और परकता से कहें तो, यह विषय वह तरीका है जिसके अनुसार हमारे प्रमुख सामाजिक संस्थान हमारे आधारभूत अधिकारों तथा कर्त्तव्यों को आबंटित करते हैं तथा सामाजिक सहयोग से प्राप्त विशेषाधिकारों के आबंटन का निर्धारण करते हैं।" इस कथन के संदर्भ में रॉल्स की "औचित्य के रूप में न्याय" की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

2. What are the main arguments given by Rawls against classical utilitarianism ? Explain.

   रॉल्स के क्लासिकी उपयोगितावाद के प्रति मुख्य तर्क क्या है ? व्याख्या कीजिए।

3. Give a detailed analysis of the two principles of Justice as discussed by Rawls.

   रॉल्स द्वारा यथाविवेचित न्याय के दो सिद्धान्तों का विस्तृत विश्लेषण कीजिए।

4. Explain the significance of the 'Original position' and 'Veil of ignorance' in Rawls theory of Justice.

रॉल्स के न्याय-सिद्धान्त में 'मूल स्थिति' और 'अज्ञान के आवरण' का महत्व समझाइए।

SECTION B
(खण्ड ब)

5. Critically analyse the Indian and Western perspectives of freedom as discussed by Daya krishna.

दया कृष्ण के द्वारा विवेचित स्वतंत्रता के भारतीय एवं पश्चात्य दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

6. Discuss Schumpeter's reasons for believing that his own theory of Democracy is truer to life than the classical theory. How does he apply his theory in the empirical analyses of actual democracies ?

लोकतंत्र के क्लासिकी सिद्धान्त की तुलना में शुमपीटर द्वारा लोकतंत्र के आपने सिद्धान्त को जीवन के प्रति अधिक यथार्थ मानने के लिए उनके द्वारा दिए गए तर्कों का विवेचन कीजिए। वास्तविक लोकतंत्रों के आनुभाविक विशलेषण में वह अपने सिद्धान्त को किस प्रकार लागू करते हैं ?

7. Discuss Berlin's two concepts of liberty.

बर्लिन के दोनों स्वतंत्रता के सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

8. "Are there any natural rights ?" What is Hart's stand on this issue ?

"क्या कोई प्राकृतिक अधिकार हैं ?" हार्ट का इस विषय में क्या मत है ?

9. What sense does Bernard Williams make of 'Equality in Unequal circumstances' ? Distinguish between 'the inequality of need' and 'the inequality' of merit."

'असमान परिस्थितियों में समानता' का बर्नर्ड विलियम्स द्वारा क्या अर्थ लिया गया है ? 'आवश्यकता की असमानता' और 'योग्यता की असमानता' के बीच में अंतर स्पष्ट कीजिए।

10. Critically discuss Gandhi's theory of 'Swaraj' as discussed in Hind-Swaraj.

गांधी के 'स्वराज' की हिन्द-स्वराज के संदर्भ में आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।